

पीएम स्कूल्स फॉर राइजिंग इंडिया (पीएम-श्री) योजना

चर्चा में क्यों?

प्रधानमंत्री कार्यालय (PMO) की एक टीम ने प्रधानमंत्री स्कूल फॉर राइजिंग इंडिया (PM-श्री) योजना के कार्यान्वयन की समीक्षा के लिये जैसलमेर के विभिन्न स्कूलों का दौरा किया।

- टीम का उद्देश्य PM-श्री योजना के ज़मीनी स्तर पर कार्यान्वयन का आकलन करना, हतिधारकों और लाभार्थियों के साथ जुड़ना, अच्छे तरीकों की पहचान करना, **क्षेत्रीय चुनौतियों का समाधान करना** और योजना की प्रभावशीलता बढ़ाने के लिये **साक्ष्य-आधारित दस्तावेज़ीकरण** के लिये इनपुट एकत्र करना था।

मुख्य बटु

पीएम श्री योजना के बारे में:

- शुरुआत:** 7 सितंबर, 2022 (केंद्र प्रायोजित योजना)।
- योजना की अवधि:** वर्ष 2022-23 से वर्ष 2026-27 तक।
- कवरेज:** केंद्र, राज्य, केंद्रशासित प्रदेश सरकारों और स्थानीय निकायों द्वारा प्रबंधित 14,500 से अधिक मौजूदा स्कूलों का विकास।
- उद्देश्य:** राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के कार्यान्वयन को प्रदर्शित करना और आसपास के संस्थानों को सलाह देते हुए मॉडल स्कूल के रूप में कार्य करना।
- वित्तपोषण पैटर्न:**
 - केंद्र और विधानमंडल वाले राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों (जम्मू-कश्मीर को छोड़कर) के बीच 60:40 का अनुपात।
 - पूर्वोत्तर और हिमालयी राज्यों तथा जम्मू-कश्मीर के लिये 90:10।
 - विधानमंडल रहित केंद्रशासित प्रदेशों के लिये 100%।
- PM-श्री स्कूलों की मुख्य विशेषताएँ:**
 - संचार, सहयोग और आलोचनात्मक सोच सहित **समग्र छात्र विकास** पर ध्यान।
 - अनुभवात्मक, पूछताछ-आधारित और शिक्षार्थी-केंद्रित शिक्षण विधियाँ।
 - प्रयोगशालाएँ, पुस्तकालय, कला कक्ष और **हरति पहल** (जल संरक्षण, अपशिष्ट पुनर्चक्रण) जैसी आधुनिक सुविधाएँ।
 - स्मार्ट क्लासरूम, कंप्यूटर लैब, एकीकृत विज्ञान लैब और अटल टिकरिंग लैब जैसी सर्वोत्तम सुविधाएँ।
 - वास्तविक जीवन के शिक्षण परिणामों को प्राथमिकता देने वाला **योग्यता-आधारित मूल्यांकन**।